**न्यायालय परिसर, श्रीमाधोपुर (सीकर) में नव निर्मित न्यायालय भवन के "ई-लोकार्पण" कार्यक्रम के अवसर पर माननीय मुख्य न्यायाधिपति श्रीमान् पंकज मित्थल का उद्बोधन**

भ्राता न्यायाधीश श्री चन्द्र कुमार जी सोनगरा
डॉ. राजेन्द्र सिंह चौधरी, जिला एवं सेशन न्यायाधीश, सीकर
डॉ. अमित यादव, जिला कलक्टर, सीकर
श्री कुंवर राष्ट्रदीप, पुलिस अधीक्षक, सीकर
श्री वीरीसिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष, बार काउन्सिल ऑफ इंडिया
श्री महेन्द्र शांडिल्य, अध्यक्ष, राजस्थान हाई कोर्ट बार संघ
श्री आशीष दाधीच, अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश, श्रीमाधोपुर
श्री बनवारीलाल कुड़ी, अध्यक्ष, बार संघ, श्रीमाधोपुर
एवं उपस्थित सभी अधिवक्तागण, कर्मचारीगण एवं जन साधारण

"शीघ्र व सुलभ न्याय" के लिए प्रायः न्यायपालिका की ओर व्यंगात्मक दृष्टि से देखा जाता रहा है, किंतु यह विचार बिल्कुल उसी प्रकार से है, जैसे किसी निहत्थे सैनिक को युद्धभूमि में सुसज्जित सेना के समक्ष खड़ा कर विजय की आस करना। अतः वर्तमान में बढ़ते अपराध और विवादों को देखते हुए न्यायपालिका का साधन-संसाधनों से युक्त होना अनिवार्य हो गया है। न्यायालयों के बेहतर संचालन में आवश्यक व आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण न्यायालय भवनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और आज यह हमारे लिए अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि हम सभी श्रीमाधोपुर (सीकर) के न्यायालय परिसर में ऐसे ही चार नवनिर्मित न्यायालय भवनों के लोकार्पण कार्यक्रम के साक्षी बने है ।

आज अपने चारों ओर हम सामान्यतौर पर यह दृश्य अवश्य देखते है कि जब भी दो व्यक्तियों के मध्य कोई विवाद होता है तो वे आपस में यही कहते हुए पाये जाते है कि वे एक-दूसरे को कोर्ट में देख लेंगे । आम व्यक्ति की यह मनोदशा प्रकट करती है कि आज भी उन्हें न्याय के लिए न्यायपालिका पर ही विश्वास है और इसी विश्वास पर हम सभी को खरा उतरना है । यह विश्वास टूटे नहीं और आम जनता को वस्तुतः न्याय मिल सके, इस ओर हम सभी को मिलकर अपने पुरजोर प्रयास करने होंगे ।

न्यायपालिका को अक्सर लंबित मामलों को लेकर भी घेरा जाता है, किंतु आंकड़े बताते है कि लंबित मामलों की संख्या में बढ़ोतरी, निस्तारण में कमी के कारण नहीं बल्कि विवादों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि होने से हुई है। हाल ही में कोविड महामारी के दौरान जब सारी दुनिया लगभग थम सी गई थी, उन विषम परिस्थितियों में भी न्यायपालिका का कार्य नहीं रुका । आधुनिक तकनीकी की सहायता से इस अवधि में भी कई मामलों की सुनवाई कर उनका न्यायोचित निर्णय किया है, जो कि सराहनीय है। विगत कुछ समय से न्यायपालिका के आधारभूत ढाँचे को मजबूत बनाने और तकनीक के द्वारा आधुनिक न्यायालयों की नींव रखने का प्रयास भी किया जा रहा है । विडियो कांफ्रेन्सिग, पेपरलेस कोर्ट व कोर्ट प्रोसिडिंग की लाईव स्ट्रीमिंग जैसी व्यवस्थाओं ने न्यायिक जगत में एक नवीन क्रांति का आगाज किया है और आम जनता के मध्य आधुनिक न्यायपालिका की अवधारणा को स्थापित भी किया है । हालांकि वर्तमान में जिला न्यायपालिका के स्तर पर कई व्यावहारिक समस्याएं है और आवश्यक संसाधनों की भी कमी है, किंतु इनके बावजूद यदि प्रत्येक न्यायिक अधिकारी न्याय का संकल्प लेकर अपने न्यायिक कार्य को संपादित करेगा, तो मुझे नहीं लगता कि न्याय के पथ पर कोई बाधा टिक सकेगी ।

अंत में मैं श्रीमाधोपुर (सीकर) के न्यायालय परिसर में बने बहुत ही सुन्दर व आधुनिक न्यायालय भवनों के निर्माण के लिए सीकर न्यायक्षेत्र के संरक्षक न्यायाधीश भ्राता श्री चन्द्र कुमार जी सोनगरा, सीकर जिले के जिला एवं सेशन न्यायाधीश डॉ. राजेन्द्र सिंह जी चौधरी, नवनिर्मित न्यायालयों के पीठासीन अधिकारीगण, स्थानीय बार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, RSRDC युनिट सीकर की टीम विशेषकर शिल्पकार के रुप में ठेकेदार व श्रमिक और श्रीमाधोपुर की आम जनता को बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ ।

धन्यवाद ।